R.P

10655

सत्यमेव जयते

खंड ३ | संख्या १

बिहार विधान सभा वादवृत्त

सरकारी रिपोर्ट

बुधवार, तिथि २ सितम्बर, १९५३

Vol. III. | No. 1

The Bihar Legislative Assembly Debates

Official Report

Wednesday, the 2nd September, 1953.

अधीक्षक, राजकीय मुद्रणालय, बिहार,
पटना, द्वारा मुद्रित ।
१९५४

[मूल्य— ६ आना ।]
[*Price—Annas 6*]

	रु०
लोकल सेल्फ गवर्नमेंट के जरिए	३,००,०००
लाइट मैनुएल लेबर	९,०००
नेचुरल कलामिटिज लोन्स	३,८५,४८०
इंबैंकमेंट ऐक्ट के जरिए जो लोन दिया गया है वह है	११,८३,३७०

चार जिले के वास्ते कितने खर्च हुए हैं इसके आंकड़े सरकार के पास नहीं हैं ।

श्री नंदकिशोर नारायण—सरकार की तरफ कहा गया है कि तिरहुत डिवीजन के लिए ३१ लाख रुपये तकावी लोन के रूप में दिये गये हैं । तो मैं जानना चाहता हूं कि हर एक जिले में कितना एलौटमेंट हुआ है ?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—इसके आंकड़े सरकार के पास नहीं हैं ।

श्री नंदकिशोर नारायण—सरकार की तरफ से कहा गया है कि लाइट मैनुअल लेबर के लिए रुपये दिये गये हैं । तो मैं जनाना चाहता हूं कि सारन जिले के लिए कितने रुपये एलौट किये गए हैं और कहां-कहां ?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—आपका सवाल है तिरहुत कमिश्नरी के बारे में । लाइट मैनुअल लेबर के लिए तिरहुत कमिश्नरी में ९ हजार रुपये दिए गए हैं । मगर हर जिले को कितने रुपये दिये गये हैं और वे कैसे खर्च हुए, इसके आंकड़े सरकार के पास नहीं है ।

श्री बशिष्ठ नारायण सिंह—मैं जानना चाहता हूं कि दरभंगा जिले के वारिसनगर में मरने का जो आंकड़ा पेश किया गया है वह क्या सही है ?

अध्यक्ष—इसके लिए आप एक अलग सवाल पूछें ।

तारांकित प्रश्नोत्तर
STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

GRANT OF POLITICAL SUFFERER'S CERTIFICATES.

A *12. **Shri LAKSHMI NARAIN SINGH**: Will the Chief Minister be pleased to state—

(*a*) the number of persons with their address who were granted Political Sufferer's certificates up to the 15th February 1953, in the district of Saran and name of recommending authorities;

(*b*) name wi h their full address (district-w se) of persons who have been given relief as Political Sufferer's with the following further details :—

(*i*) how many times he was incarcerated;

(*ii*) with period of his detention in jail;

A—Postponed from 2nd September 1953.

(iii) what suffering he had in fighting freedom movement;

(iv) what was the recommendation of authorities about his case;

(v) what was the amount given or any other concession granted to the Political Sufferers?

श्री कृष्णवल्लभ सहाय—(क) एक स्टेटमेंट लाइब्रेरी टेबुल पर रख दिया गया है।

(ख) एक स्टेटमेंट, जिसमें बतलाया गया है कि पोलिटिकल सफरर्स को कितने रुपये दिए हैं, लाइब्रेरी टेबुल पर रख दिया गया है। दूसरे डिटेल्स देने में जो समय लगेगा वह स्टेटमेंट के लिये ठीक नहीं होगा, इसलिए उसका इनफोरमेशन में नहीं दे रहा हूं।

श्री ललन सिंह, देवनन्दन सिंह और कयूम खां की गिरफ्तारी।

*८६। श्री रामानन्द तिवारी—क्या मंत्री, विधि विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) श्री ललन सिंह, देवनन्दन सिंह और कयूम खां डीहरी, डाल्टेनगंज और भागलपुर में कब गिरफ्तार हुए;

(ख) उनलोगों का केस किस हालत में है और किस-किस दफा के अनुसार केस चल रहा है;

(ग) श्री ललन सिंह और देवनन्दन सिंह के केस में कितनी तारीख और कौन-कौन तारीख पड़ी और हर तारीख पर कौन कार्रवाई की गई;

(घ) ये दोनों व्यक्ति किस जिले के रहनेवाले हैं; हर तारीख पर आने और जाने में कुल कितना रेल भाड़ा उन्हें देना पड़ा?

श्री शिवनंदन प्रसाद मंडल—(क) कयूम खां और ललन सिंह को गिरफ्तारी क्रमशः ६ अक्तूबर १९५२ और २१ सितम्बर १९५२ को हुई। देवनंदन सिंह ५ अगस्त, १९५२ को अपने ही हाजिर हुए।

(ख) ललन सिंह तथा कयूम खां के विरुद्ध इंडियन पेनल कोड की धारा ४४८, धारा ५ और एसेंसियल सर्विसेज मेंटेनेंस ऐक्ट, १९४७ के अनुसार केस चल रहा है और देवनंदन सिंह के विरुद्ध इंडियन पेनल कोड की दफा ४४८ के अनुसार केस चल रहा है।

ललनसिंह का केस श्री ए० के० सिन्हा, जुडीशियल मैजिस्ट्रेट के इजलास में चल रहा है। मुद्दई पक्ष के गवाहों का बयान लिया जा रहा है। कयूम खां का केस अभी सदर एस० डी० ओ० की जेनरल फाइल में है। देवनन्दन सिंह के केस का फैसला ३१ जुलाई, १९५३ को हो गया। उनको रिहाई हुई।

(ग) विवरण पुस्तकालय के मेज पर रख दिया गया है।

(घ) देवनन्दन सिंह, छपरा के रहने वाले हैं और ललनसिंह ग्राम जरोरा, थाना फदलपुर, जिला देवरिया, यू० पी० के हैं। यह कहना संभव नहीं है कि उन्हें हर तारीख पर आने और जाने में कुल कितना रेल भाड़ा देना पड़ा।